MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Fusion Microfinance - Empowering Underprivileged Women By Creating Income Generating Avenues

Region: Uttar Pradesh

Media Coverage Index

Si. No.	Date	Publication Name	Edition
Uttar Pradesh			
1.	11.03.22	Lucknow News	Lucknow
2.	11.03.22	Dainik Bhaskar	Lucknow
3.	11.03.22	Pioneer (Hindi)	Lucknow
4.	11.03.22	Rastriya Sahara	Lucknow
5.	11.03.22	Nayayadesh	Lucknow
6.	11.03.22	Avadhnama	Lucknow
7.	11.03.22	Janmadhyam	Lucknow
8.	11.03.22	Jansandesh Times	Lucknow
9.	11.03.22	Spast Awaaz	Lucknow
10.	12.03.22	Hindustan	Lucknow
11.	12.03.22	Navsatta	Lucknow
12.	13.03.22	Every Day	Lucknow
13.	15.03.22	Rastriya Swaroop	Lucknow
14.	15.03.22	Aaj	Lucknow

Uttar Pradesh

Publication	Lucknow News
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	4

Fusion Microfinance: - Empowering underprivileged women by creating income generating avenues

Lucknow : Microfinance has been playing an essential role in uplifting the lives of many aspiring women by helping them become financially independent. Moreover, the microfinance industry has also opened numerous opportunities for the vulnerable community to enhance their skills to become self-reliant.

The growth story of Saroj, a 38-year-old woman residing in Fitkari village, Mawna, Uttar Pradesh is no different. Her husband's income was insufficient to meet the basic requirement of the family of five. Like every parents, they too wanted to provide quality education to their children.

This is when she decided to support her husband to increase the income capacity of her family.

While helpless Saroj was looking for avenues for a sustainable income, she came across a microcredit officer from Fusion Microfinance. The NBFC-MFI aimed at providing economic opportunity to unserved women by giving them collateral free loans.

Publication	Dainik Bhaksar
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	9

फ्यूज़न माइक्रोफाइनेंस: महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा।

Ketchum Sampark
empathy + intelligence

Publication	Pioneer
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	8

वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास

नोएडा। माइक्रो फाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा माइक्रोफ इनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता.पिता की तरहए वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी। माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी.एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला।

Publication	Rastriya Sahara
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	6

वंचित महिलाओं को सशक्त बना रही है आर्थिक नीतियां

लखनऊ। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में केंद्र सरकार की आर्थिक नीति और फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए है। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की जिंदगी भी फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस ने बदल दी। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओंट्ट को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर देना है।

Publication	Nayayadesh
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	3

आय के साधन उपलब्ध कराते हुए वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा है फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस

लखनऊ।माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं।उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे।सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उननति के अवसर प्रदान करना है।सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी और उनकी आय भी बढ़ी जिससे वे अपने परिवार की आजीविका की स्थिति में सुधार करने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सक्षम हुई। सरोज उन महिलाओं में से एक हैं जो अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं।

Ketchum Sampark
empathy + intelligence

Publication	Avadhnama
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	12

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस- आय के साधन उपलब्ध कराते हुए वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा है

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य

वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी और उनकी आय भी बढ़ी जिससे वे अपने परिवार की आजीविका की स्थिति में सुधार करने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सक्षम हुई। सरोज उन महिलाओं में से एक हैं जो अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं और समुदाय की अन्य महिलाओं को रोजगार के अवसर दिए। फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस एक पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है, जो ग्रामीण जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप लेंडिंग मॉडल पर काम करता है। इसका उद्देश्य बैंक रहित आबादी तक पहुंचना और समाज के आर्थिक तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्ग की महिला उद्यमियों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है। कंपनी मजबूत व्यावसायिक प्रथाओं, पारदर्शी नीतियों में विश्वास करती है और ग्राहकों को केंद्र में रखते हुए अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य आधारित और संतुलित विकास करने की इच्छा रखती है। भारतीय माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र ने एक लंबा सफर तय किया है।

Publication	Janmadhyam
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	7

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंसः आय के साधन उपलब्ध कराते हुए वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा है

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं।

उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे।

सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है।

सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी और उनकी आय भी बढ़ी जिससे वे अपने परिवार की आजीविका की स्थिति में सुधार करने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सक्षम हुई। सरोज उन महिलाओं में से एक हैं जो अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं और समुदाय की अन्य महिलाओं को रोजगार के अवसर दिए। फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस एक पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है, जो ग्रामीण जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप लेंडिंग मॉडल पर काम करता है। इसका उद्देश्य बैंक रहित आबादी तक पहुंचना और समाज के आर्थिक तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्ग की महिला उद्यमियों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है। कंपनी मजबूत व्यावसायिक प्रथाओं, पारदर्शी नीतियों में विश्वास करती है और ग्राहकों को केंद्र में रखते हुए अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य आधारित और संतुलित विकास करने की इच्छा रखती है।

Ketchum Sampark
empathy + intelligence

Publication	Jansandesh Times
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	13

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंसः वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का कर रहा प्रयास

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी। सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफ आई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी और उनकी आय भी बढ़ी जिससे वे अपने परिवार की आजीविका की स्थिति में सुधार करने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सक्षम हुई। सरोज उन महिलाओं में से एक हैं जो अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं।

Ketchum Sampark
empathy + intelligence

Publication	Spast Awaaz
Edition	Lucknow
Date	March 11,2022
Page No.	5

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस वंचित महिलाओं को सशक्त कर रहा

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उप्र के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है।

Publication	Hindustan
Edition	Lucknow
Date	March 12,2022
Page No.	19

महिलाओं को सशक्त बना रहा माइक्रोफाइनेंस

लखनऊ। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में माइक्रोफाइनेंस कम्पनी अहम भूमिका निभा रही है। यूपी के मानवा, फिटकारी गांव की सरोज को इस कम्पनी ने ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाया। ऐसी ही कई महिलाओं के उदाहरण माइक्रोफाइनेंस कम्पनी के पास है। सरोज को ऐसे समय में मदद मिली जब उनके घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी। कम्पनी का दावा है कि 10 करोड़ लोग उनकी कम्पनी से फायदा उठा चुके हैं। प्रधानमंत्री की मुद्रा योजना के तहत फाइनेंस कम्पनी यह सुविधा दे रही है।

Publication	Navasatta
Edition	Lucknow
Date	March 12,2022
Page No.	3

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा

संवाददाता

लखनऊ, 11 मार्च (नवसत्ता)। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज

एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी और उनकी आय भी बढ़ी जिससे वे अपने परिवार की आजीविका की स्थिति में सुधार करने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सक्षम हुई। सरोज उन महिलाओं में से एक हैं जो अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं और समुदाय की अन्य महिलाओं को रोजगार के अवसर दिए। फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस एक पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई है, जो ग्रामीण जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप लेंडिंग मॉडल पर काम करता है। इसका उद्देश्य बैंक रहित आबादी तक पहुंचना और समाज के आर्थिक तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्ग की महिला उद्यमियों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है। कंपनी मजबूत व्यावसायिक प्रथाओं, पारदर्शी नीतियों में विश्वास करती है और ग्राहकों को केंद्र में रखते हुए अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य आधारित और संतुलित विकास करने की इच्छा रखती है। भारतीय माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र ने एक लंबा सफर तय किया है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, माइक्रोफाइनेंस ऋण पोर्टफोलियो 30 सितंबर, 2021 तक 2,43,737 करोड़ रुपये का है, जो 10.52 करोड़ ऋण खातों के साथ 5.65 करोड़ उधार लेने वाले ग्राहकों की सेवा करता है। एनबीएफसी-एमएफआई देश में एकमात्र रेगुलेटेड फाइनेंशियल इंस्टीटूशन्स हैं, जो कम आय वाले परिवारों को अनसिक्योर्ड लोन्स देते हैं। ये संस्थाएं उन महिलाओं के लिए क्रेडिट गैप भरती हैं, जिनके पास किसी भी प्रकार के कोलैटरल या सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए साधन नहीं हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य स्थायी आजीविका का निर्माण करना है। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहकों को अंतिम छोर तक वित्तीय सेवाएं प्रदान करके, ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडे को बढ़ावा देते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत लगभग 50 प्रतिशत ऋण वितरण माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत हैं और उन्हें ऋण के आकार, कार्यकाल, ब्याज दर और एक उचित व्यवहार संहिता और एक उद्योग आचार संहिता (सीओसी) से कड़ाई से विनियमित किया जाता है, जो उनके कामकाज को नियंत्रित करता है। रिज़र्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई का नियमित पर्यवेक्षण करता है।

Publication	Every Day
Edition	Lucknow
Date	March 13,2022
Page No.	8

फ्यूजनमाइक्रोफाइनेंस आय के साधन उपलब्ध कराते हुए वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा है

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा।

Ketchum Sampark
empathy + intelligence

Publication	Rastriya Swaroop
Edition	Lucknow
Date	March 15,2022
Page No.	12

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का कर रही प्रयास

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं।

उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी और उनकी आय भी बढ़ी जिससे वे अपने परिवार की आजीविका की स्थिति में सुधार करने और अपने बच्चों को स्कूल भेजने में सक्षम हुई। सरोज उन महिलाओं में से एक हैं जो अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं और समुदाय की अन्य महिलाओं को रोजगार के अवसर दिए।

एनबीएफसी-एमएफआई देश में एकमात्र रेगुलेटेड फाइनेंशियल इंस्टीटूशन्स हैं, जो कम आय वाले परिवारों को अनसिक्योर्ड लोन्स देते हैं। ये संस्थाएं उन महिलाओं के लिए क्रेडिट गैप भरती हैं, जिनके पास किसी भी प्रकार के कोलैटरल या सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए साधन नहीं हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य स्थायी आजीविका का निर्माण करना है। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहकों को अंतिम छोर तक वित्तीय सेवाएं प्रदान करके, ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडे को बढ़ावा देते हैं। एनबीएफसी-एमएफआई प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार हैं और इस कार्यक्रम के तहत लगभग 50त्न ऋण वितरण माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत हैं और उन्हें ऋण के आकार, कार्यकाल, ब्याज दर और एक उचित व्यवहार संहिता (एफपीसी) और एक उद्योग आचार संहिता (सीओसी) से कड़ाई से विनियमित किया जाता है, जो उनके कामकाज को नियंत्रित करता है। रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआई का नियमित पर्यवेक्षण करता है।

Publication	Aaj
Edition	Lucknow
Date	March 17,2022
Page No.	5

वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस

नयी दिल्ली। माइक्रोफाइनेंस कई महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, माइक्रोफाइनेंस उद्योग ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय के लोगों के कौशल को बढ़ाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई अवसर उपलब्ध करवाए हैं। उत्तर प्रदेश के मवाना के फिटकरी गांव की रहने वाली 38 साल की महिला सरोज की सफलता की कहानी भी कुछ अलग नहीं है। उनके पति की आय पांच सदस्यों के परिवार की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। हर माता-पिता की तरह, वे भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहते थे। सरोज ने अपने परिवार की आय बढ़ाने के लिए अपने पति की मदद करने का फैसला किया। जब असहाय सरोज एक स्थायी आय के लिए अवसर तलाश रही थी, तो वह फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के एक माइक्रोक्रेडिट अधिकारी से मिली। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य वंचित वर्ग की महिलाओं को कोलैटरल फ्री लोन देकर उन्हें आर्थिक उन्नति के अवसर प्रदान करना है। सरोज को चमड़े की क्रिकेट गेंदें बनाना पसंद था और उन्होंने इसे अपने सपनों को पंख देने वाले अवसर के रूप में देखा। अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए उन्हें 12,000 रुपये का पहला लोन मिला। धीरे-धीरे उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता मिलने लगी।